

1996 Israel Award



1997 Israel Award



डॉ. ए. के. मिश्रा अल्प परिचय

डॉ. मिश्रा जग प्रसिद्ध एक जमीन (मृदा) वैज्ञानिक तथा कृषी सलाहकार है। ईजीप्ट, घाना, मलेशीया, बांग्लादेश, इजरायेल जैसे विदेशों में कृषी सलाहकार तथा महाराष्ट्र में बहुत से चीनी मिलों के कृषी सलाहकार के रूप में तथा इन्डो-इजरायेल एग्रोटेक लिमिटेड, राजदीप केमिकल्स एन्ड फर्टीलाइज़र्स लिमिटेड, डॉ. मिश्रा फर्टीलाइज़र्स एन्ड केमिकल्स, प्रोपाइटर, डॉ. मिश्रा आर्गेनिक फार्मींग सर्टीफिकेशन एजन्सी प्रा. लिमिटेड, (वडोदरा) में शोध विकास विभाग प्रमुख रूपे कार्यरत है। डॉ. मिश्रा का मुलाकात दूरदर्शन केन्द्र - दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई में कृषी सलाहकार १८०० दफा प्रसारित हुआ है। डॉ. मिश्रा को इजरायेल सरकार द्वारा वर्ष १९९६ तथा वर्ष १९९७ में दो बार विशिष्ट अवार्ड मिला हुआ है। डॉ. मिश्रा गन्ना की खेती में नयी खोज कि है जिसे डॉ. मिश्रा झिंग-झंग पद्दति के रूप में जाना जाता है। टमाटर की खेती में टेलीफोन पद्दति की खोज उनकी देन है।

फसल : शिमला मिर्च/हाइब्रीड मीर्च/बैगन/भीन्डा सब्जियों के लिए

नर्सरी बेड तैयार करना:

शिमला मिर्च / हाइब्रीड मीर्च / बैगन पसल के लिए टमाटर फसल हेतु दिये गये सूचना के अनुसार रोप वाटीका करना आवश्यक होता है। टमाटर की खेती में दर्शाये गये निर्देशों का पालन करना आवश्यक होता है।

खेत की तैयारी:

रोपवाटीका में बीज डालने से २० वां दिवस पहले फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद (सिटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक - फोस्फेट रीच सेन्द्रीय खाद (प्रोम) - १००किलो + मोफका सेन्द्रीय पोटस १५ किलो + १ किलो फर्टोमिटोड को मिलाकर खेत में भुरकाव करने के दूसरे दिन मोफका दानेदार एन.पी.के. 12:32:16 या 20:20:00 - ३००किलो + ईकोफर्ट - १०० किलो + २०क माईक्रो-फर्ट - १५ किलो + मोफका - जिंक सल्फेट - ३३% - ३० किलो प्रति एकर के मान से खेत की भुरकाव करने के बाद, ट्रेक्टर से जुताई करके, रोटावहेटर फीराकर खेत को समतल करने के बाद, शिमला मिर्च / हाइब्रीड मीर्च / बैगन / को योग्य अंतर से रोपाइ करके हल्का पाणी देना चाहिए। भीन्डा की खेती में उपर लिखे गये सूचनाओं का पालन करते हुए ३ × ३ फूट के अन्तर पर खेतमें बीज बोना चाहिए तथा हल्का पानी देना चाहिए।



बीज उग जाने के १५वे दिन:

- ❖ फर्टोनिक-२०० (रुट बायो केमिकल्स 50 ml) + 50 ml फर्टोनिक - १००० (स्ट्रेंथ बायो - केमिकल्स - 50 ml) + 15 ml - फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50 ml का अच्छी प्रकार से मिलाकर प्रति सीकर पंप के मान से पौधों पर अच्छी तरह छिड़काव करें।
- ❖ उपरोक्त छिड़काव के १५ दिन बाद फर्टोनिक -२००-५० मी.ली. + फर्टोनिक -१०००-५० मि.ली.+ फर्टीस्टीको १५ मी.ली. + नीमाडोल - 50ml का अच्छी तरह से घोल बनाकर पूरी फसल पर छिड़काव करें तथा पुनः १५ दिन बाद फर्टोनिक - २०० + फर्टोनिक - १००० + फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50ml को अच्छी तरह से घोल बनाकर छिड़काव करें, इसी अनुपात को फसल कटने तक हर २० दिन में इसी तरीके से लगातार छिड़काव करें।

डॉ. ए. के. मिश्रा

(M.Sc. Agri, Ph.D. Soil Science)
प्रमुख - शोध विकास विभाग